

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--स व 3--उपल व (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₹ 0 304]

मई विल्ली, भंगलवार, झगस्त 18, 1970/श्रावण 27, 1892

No. 304]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 18, 1970/SRAVANA 27, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जात है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th August 1970

S.O. 2754.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby extends upto 31st December, 1970, the period within which the Commission of Inquiry appointed by the Government of India in the Ministry of Home Affairs by notification No S.O 1520, published at pages 681 and 682 of Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India Extraordinary, dated the 23rd April, 1970, shall make its report to the Central Government.

[No. 31/13/70-Poil.I(A).]

T. C. A. SRINIVASAVARADAN, Jt. Secy-

गृह मंत्रालय

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 18 ग्रगस्त, 1970

परिनियत सावेश 2754 :---जांच श्रायोग अधिनियम, 1952 (1952 वां 60 वां) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त श्रीधकारों का उपयोग करते हुए भारत सरकार एतद्द्वारा उस अविध को

31 दिस बर, 1970 तक बढ़ाती है, जिसमें 23 श्रश्नैल, 1970 के श्रसाधारण राजपत्न के भाग 2, खण्ड 3 उपखण्ड (ii) में पृष्ठ 681 श्रीर 682 पर प्रकाशित श्रिधिसूचना संख्या परिनियत श्रादेश 1520 के श्रधीन भारत सरकार प्रारा पृह पंजातय में नियुक्त जांच श्रायोग, श्रपना प्रतिवेदन केन्द्रीय सरकार को देगा।

 $\left[\ddot{\pi} + 31/13/7 \frac{1}{3} \right]$ टी॰ सी॰ ऐ॰ श्रीनियासवर्द्धन, संगुक्त सचिव, भारत सरकार ।